सृजन-पथ पर नव्य युग की शक्ति का अवतार हो। श्रेष्ठ चिन्तन-मनन शुभ अवधारणा सुविचार हो॥
नवल गति, नव योजना नव सूत्र जीवन के मिलें, ज्ञान का विस्तार हो, अज्ञान का परिहार हो॥

सृजन पथ

विद्यालय गतिविधियों की त्रैमासिकी

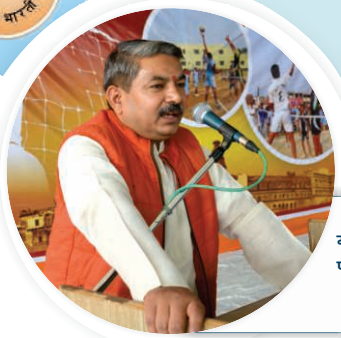

प्रतिस्पर्धात्मक युग में खेल मानव के सर्वांगीण विकास के लिए परम आवश्यक...
– डॉ. हरीश जी
प्रांत प्रचारक,रा.स्व.सं.

संगठनात्मक एवं सहयोगी विचारधारा का विस्तार खेलों के माध्यम से सम्भव ...
– श्री पद्मनाभ गोस्वामी
प्रबन्धक – प.दे.धा.

परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मन्दिर सी.सै. स्कूल (आवासीय), वृन्दावन

वार्षिक पुरस्कार वितरण 2017

विजय का उल्लास..... पुरस्कारों की उमंग

1. कुछ विशेष कारणवश गत सत्र का शैक्षणिक सांस्कृतिक व शारीरिक पुरस्कार वितरण सम्भव न हो सका जिसे इस सत्र में 18 दिसम्बर को निर्माणाधीन ऑडीटोरियम में सम्पन्न किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि स्वामी श्री आनन्दस्वरुप जी महाराज गंगा जी वाले बाबा ने छात्रों को आशीर्वाद दिया तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विद्यालय के उप-प्रबन्धक श्रीबाँकेबिहारी शर्मा जी ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कक्षा षष्ठ से नवम तक एवं कक्षा एकादश के शैक्षणिक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर्ता छात्र इस प्रकार रहे-

(क). कक्षा 6A अभय गौतम, 6B वैभव पालीवाल, 6C करन कुमार, 6D भानुप्रताप एवं 6E अरुण कुमार (ख). कक्षा 7A आदित्य अग्रवाल, 7B अभिषेक टैंटीवाला, 7C योगेश पाण्डेय, 7D सूरज कुमार (ग). कक्षा 8A कृष्णवीर सिंह, 8B विवेक सिंह, 8C विशाल मित्तल, 8D गौरव चौधरी (घ). कक्षा 9A अजय सिंह, 9B शुभम छौंकर, 9C शुभम अग्रवाल, 9D सुरेन्द्र पाल, 9E सचिन सिंह (ङ). कक्षा 11A गोविन्द गर्ग, 11B प्रशान्त बंसल, 11C पीयूष अग्रवाल, 11D माधव गोस्वामी

शैक्षिक पुरस्कारों के साथ ही सामान्यज्ञान, निबन्ध लेखन, संस्कृति ज्ञान परीक्षा, विद्याभारती खेलकूद एवं वर्ष भर उपस्थित रहकर शत प्रतिशत उपस्थिति का पुरस्कार जीतने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा 6th से 12th के कुल 96 छात्रों ने शत प्रतिशत उपस्थिति का पुरस्कार प्राप्त किया। खेल प्रशिक्षक डा. सुरेन्द्रपाल सिंह व रवीन्द्र सिंह के कुशल निर्देशन में SGFI तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले विद्याभारती खेलकूद प्रतियोगिता के अखिल भारतीय विजेता छात्रों को भी समारोह में सम्मानित किया गया।

डॉ. राम बहादुर सिंह भदौरिया के संयोजन में आयोजित संस्कृति ज्ञान परीक्षा में निखिल दीक्षित 7C ने 100 में से 92 अंक प्राप्त कर के बालवर्ग में एवं प्रवीन बघेल 10A ने 100 में से 96 अंक प्राप्त करके किशोर वर्ग में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

वार्षिक हस्त लिखित पत्रिका 'पल्लव' का विमोचन करते मुख्य अतिथि स्वामी श्री आनन्द स्वरुप जी (गंगा जी वाले बाबा) एवं अन्य

पुरस्कार विजेता विद्यार्थियों को अतिथि महोदय एवं आचार्यगणों द्वारा आशीर्वाद

अखिल भारतीय खेल-कूद प्रतियोगिता

विद्या भारती की योजनानुसार प्रतिवर्ष विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक बार की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतीय वालीबाल प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के क्रीड़ा प्रांगण में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ दिनांक 18.11.2018 को बड़े ही उत्साहपूर्ण वातावरण में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुआ।

उद्घाटन सत्र के अंतर्गत प्रतिभागी खिलाड़ियों और आमंत्रित गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता, एवं अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी तथा साई की कानूनी सलाहकार सुश्री गीतांजलि शर्मा ने कहा कि खेलों के माध्यम से जितनी आसानी से मानवीय भावनाओं का विकास होता है उतना अन्य किसी माध्यम से संभव नहीं है। खिलाड़ी जिस प्रकार हार जीत में अपने मन को नियंत्रण में रखने का अभ्यास करते हैं वही अभ्यास मानव जीवन को दैवीय गुणों से परिपूर्ण बना सकते हैं।

इससे पूर्व कार्यक्रम के अध्यक्ष विद्या भारती के अखिल भारतीय सहसंगठन मंत्री श्री यतीन्द्र कुमार तथा विशिष्ट अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी, मथुरा श्री एस.पी.बमनिया एवं श्री हरिबोल जी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रांत प्रचारक डा. हरीश जी ने खेलकूद को आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग की प्रथम आवश्यकता बताते हुए कहा कि विद्याभारती स्तरीय शिक्षा के साथ-साथ बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु खेलकूद पर भी समुचित ध्यान देने को कटिबद्ध है।

विद्या भारती के राष्ट्रीय सहसंयोजक खेल श्री कृपाशंकर जी ने खिलाड़ियों को खेल भावना का आदर करते हुए पूर्ण कुशलता से खेलने का संदेश दिया। विद्यालय के घोषदल के साथ विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपने प्रशिक्षकों सहित मार्चपास्ट कर सलामी दी। कु. तेजस्विनी ने खिलाड़ियों को ईमानदारी और सच्चाई से खेल प्रतियोगिता की गरिमा बनाए रखने की शपथ दिलाई। विद्यालय के शारीरिक प्रशिक्षक श्री रविन्द्र सिंह के निर्देशन में विद्यालय के छात्रों ने आकर्षक शारीरिक प्रस्तुतियों से वातावरण जीवंत बना दिया।

प्रधानाचार्य श्री श्याम प्रकाश पाण्डेय ने अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यालय के प्रबंधक श्री पद्मनाभ गोस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विद्यालय के पूर्व छात्र सोहन सिंह द्वारा कामनवेल्थ जूडो चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने पर उन्हें आयोजन समिति द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के क्रीड़ा विभाग प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पाल सिंह ने किया। प्रतियोगिता में 330 भैया 228 बहिन 33संरक्षक आचार्य 22संरक्षक आचार्या 3 खेल अधिकारी तथा 5 क्षेत्रीय अधिकारियों सहित 621की कुल संख्या रही।समापन समारोह में विजयी टीमों को मुख्य अतिथि श्री हेमचन्द्र जी ने ट्राफी प्रदान की। कार्यक्रम में सर्वश्री कृपाशंकर जी,होडल सिंह जी,आलोक जी,पद्मनाभ जी,अमरनाथ गौतम जी,शिशुपाल सिंह जी,के.एम.अग्रवाल, देवेन्द्र शर्मा ,प्रेमशंकर वैद्य,हरीशंकर जी,पार्षद वैभव अग्रवाल, चन्द्रभान गुप्त, डा.सुरेन्द्र सिंह, रविन्द्र सिंह,बांके बिहारी शर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

समापन समारोह का संचालन श्री रामकुमार त्यागी ने किया। प्रतियोगिता के सुचारू संचालन में मोहित गुप्ता, ललित गर्ग, शैलेंद्र गोयल,शशांक तिवारी, अतुल गुप्ता आदि का विशेष योगदान रहा।

मैच से पहले उत्साह भरे पल...

प्रतियोगिता में देश भर से आये खिलाड़ी

किशोर वर्ग फाइनल की विजेता टीम अधिकारियों के साथ

जू. कॉमनवेल्थ में रजत पदक विजेता सोहन सिंह का सम्मान करते वि. भा. के सह. संग. मंत्री श्री यतीन्द्र कुमार

खेल कौशल.... एवं जीत का संघर्ष.....

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक

विद्यालय के घोष-दल द्वारा अतिथि स्वागत

विद्यालय के बच्चों द्वारा रोमांचक मीनार का निर्माण

खेल रणनीति बनाने में संलग्न बालिकायें

हम किसी से कम नहीं... बालिकाओं के मैच की झलक

विशेष प्रदर्शन का पुरस्कार

अतिथि स्वागत एवं सम्मान

विद्यालय गतिविधियाँ

1 29 नवम्बर 2018 को कक्षा 10th तथा 12th के छात्रों के विकास के सन्दर्भ में विचार विनिमय हेतु अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता श्रीराम जी लाल शर्मा ने की। राहुल शर्मा (गणित विभाग) ने अभिभावक गोष्ठी का उद्देश्य एवं डॉ. राम बहादुर सिंह भदौरिया व राजीव शर्मा ने क्रमशः 10th तथा 12th की वार्षिक योजना प्रस्तुत की। प्रधानाचार्य श्याम प्रकाश पाण्डेय ने अभिभावकों के सुझावों पर विचार करते हुए विद्यालय के पक्ष एवं चिन्तन से अवगत कराया। आचार्य परिवार एवं अतिथि परिचय शशांक तिवारी द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रवीण अग्रवाल द्वारा किया गया।

2 8 दिसम्बर से 20 दिसम्बर तक युग निर्माण योजना, गायत्री परिवार द्वारा विद्यालय में पुस्तक मेले का आयोजन किया गया जिसमें वेदमूर्ति तपोनिष्ठ आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा लिखित विस्तृत साहित्य से कुछ चुनी हुई छात्रोपयोगी पुस्तकों को अध्ययन एवं क्रय हेतु उपलब्ध कराया गया। इस मेले का संयोजन डॉ. डोरीलाल शर्मा ने किया। बड़ी संख्या में छात्र एवं आचार्य बन्धुओं ने साहित्य संचयन का लाभ उठाया।

3 31 अक्टूबर 2018 को विद्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय एकता दौड़ (RUN FOR UNITY) का आयोजन किया गया। दौड़ का संयोजन छात्र संसद प्रमुख अतुल गुप्ता एवं शशांक तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्रों द्वारा सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार व्यक्त किये गये।

S.G.F.I. के द्वारा दिल्ली में आयोजित अ.भा.कुराश प्रतियोगिता के U-17 वर्ग में विद्यालय के भैया आदित्य एवं अजय ने कांस्य पदक प्राप्त करके विद्यालय एवं विद्याभारती का गौरव बढ़ाया।

चित्र अगले पृष्ठ पर..

सामाजिक संस्था 'प्रयास' द्वारा आयोजित कला प्रतियोगिता में प्रतिभागिता

अ.भा. कुश्ती प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ी गुरुजनों के सान्निध्य में

संघ नींव में विसर्जित

द्वितीय सरसंघचालक प. पू. गुरुजी
श्रीमाधव राव सदाशिव राव गोलवलकर

19 फरवरी 1906 को प्रातः 4.30 बजे नागपुर में पिताश्री सदाशिव राव एवं माता लक्ष्मी बाई के एक पुत्र का जन्म हुआ। बालक का नाम माधव रखा गया । बचपन से ही प्रतिभावान माधव ने एम. एस. सी. करने के पश्चात् LLB परीक्षा पास की। परीक्षाकाल में तेज बुखार व बिच्छू के दंश के बावजूद स्थिर चिंतन से पढ़कर सर्वोच्च अंक प्राप्त किये।

सन् 1930 में प्राणिशास्त्र के प्राध्यापक के रूप में काशी हिन्दू विश्व विद्यालय में कार्य किया तथा यहीं से आपको 'गुरुजी' कहा जाने लगा।

काशी में संघ के सम्पर्क में आए तथा पूर्ण कालिक स्वयं सेवक बने। आजीवन अविवाहित रहते हुए सन् 1936 में सारगाछी आश्रम में स्वामी अखण्डानन्द के शिष्य बने।

सन् 1937 में नागपुर लौटकर प. पू. डॉ. हेडगेवार की निकटता प्राप्त की तथा संघ के सर कार्यवाह बनाए गये।

सन् 1940 में डॉ. साहब के देहावसान के पश्चात् 3 जुलाई 1940 को संघ के द्वितीय सर संघ चालक बने। सन् 1941 में प्रथम प्रवास तथा 12 मार्च 1973 को अन्तिम प्रवास हुआ। इस बीच सारे भारत का भ्रमण करके संघकार्य को देशव्यापी बनाया। कहा जाता है कि इनके बराबर न तो किसी ने प्रवास किए और न इतने पत्र लिखे। आपने 33 वर्ष के कालखण्ड में 50 हजार से अधिक पत्र लिखे। आप प्रसिद्धि व राजनीति से सदैव दूर रहे। आपकी स्मरणशक्ति इतनी अद्भुत थी कि एक बार जिस कार्यकर्ता से परिचय हो जाता था तो 15–20 वर्ष बाद भी आप उसे उसके नाम से पहचान लेते थे। गुरुजी की भाषण शैली उच्च कोटि की थी तथा व्यवहार अत्यन्त सहज व सरल था।

आपके कार्यकाल में देश को अनेकों भीषण संकटों का सामना करना पड़ा जैसे – :

सन् 1947 में भारत का विभाजन, सितम्बर 1947 में कश्मीर पर कबायली आक्रमण, सन् 1948 में गाँधी जी की हत्या एवं संघ पर प्रतिबन्ध; सन् 1962 में चीन का भारत पर आक्रमण तथा 1965 व 1971 में पाकिस्तान का भारत पर आक्रमण।

इन सभी संकटों के समय गुरुजी के नेतृत्व में संघ ने अभूतपूर्व धैर्य व संगठन कौशल का परिचय दिया। 12 जुलाई 1949 को सरकार द्वारा संघ से बिना शर्त प्रतिबन्ध उठा लिया गया। 5 जून 1973 को रात्रि 9.05 बजे प. पू. श्री माधवराव सदाशिव गोलवलकर ने पार्थिव देह का त्याग कर दिया।

एक उत्कृष्ट जननायक, कुशल संगठन कर्ता, प्रखर वक्ता एवं भारत के सच्चे सपूत श्री गुरुजी संघ कार्यकर्ताओं के लिए ही नहीं अपितु प्रत्येक राष्ट्रवादी भारतीय के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

प. पू. श्री गुरुजी के अनमोल विचार

1. मनुष्य के आत्मविश्वास तथा अहंकार में अन्तर करना कई बार कठिन हो जाता है।
2. मानव के हृदय में यदि यह भाव आ जाये कि विश्व में सब कुछ भगवत् स्वरूप है तो घृणा का भाव स्वयमेव ही लुप्त हो जाता है।
3. हमारी मुख्य समस्या है – जीवन के शुद्ध दृष्टिकोण का अभाव, और इसी के कारण शेष समस्याऐं प्रयास करने पर भी सुलझ नहीं पाती हैं।
4. मनुष्य के लिए यह कदाचित् अशोभनीय है कि वह मनुष्य निर्मित संकटों से भयभीत रहे।
5. इस बात से कभी वास्तविक प्रगति नहीं हो सकती कि हम वास्तविकता का ज्ञान प्राप्त किये बिना अंधों की भांति इधर–उधर भटकते फिरें।
6. सच्ची शक्ति उसे कहते हैं जिसमें अच्छे गुण, शील, विनम्रता, पवित्रता, परोपकार की प्रेरणा तथा जन–जन के प्रति प्रेम भरा हो, मात्र शारीरिक शक्ति ही शक्ति नहीं कहलाती।
7. सेवाकरने का वास्तविक अर्थ है – हृदय की शुद्धि अहं भावना का विनाश सर्वत्र ईश्वरत्व की अनुभूति तथा शान्ति की प्राप्ति!

सम्पादकीय

मौसम चुनौतियों का

अपने वैशिष्ट्य को पहचानें। प्रत्येक व्यक्ति की कुछ न कुछ अंतर्निहित विशेषताएं होती ही हैं। यदि हमने अपना श्रेष्ठ पहचान लिया तो बात बनती ही है। परिवर्तन प्रकृति का स्वभाव है । व्यक्ति की प्रवृत्ति भी परिवर्तनशील है। दीपक का वैशिष्ट्य ऊर्ध्वमुखी होना है। प्रत्येक मौसम के फल फूल भी अलग अलग होते हैं। ये मौसम सभी की परीक्षाओं का है (परीक्षार्थियों के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करने का, अभिभावकों के लिए धैर्य और पुनर्बलन देने का और शिक्षकों के लिए निर्माण की चुनौती का), परिणाम बेहतर आएं इस निमित्त हम सभी को अपनी शक्ति और सामर्थ्य बढ़ानी होगी। नन्हा पौधा घने कोहरे में, ठण्डी हवाओं को झेलता है, संघर्ष की पराकाष्ठा के बाद यदि वह अपने अस्तित्व को बचाने में सफल रहता है तो उस पर मनमोहक पुष्प खिलखिला उठते हैं। ठीक से समय पर खाद–पानी देने और चिन्ता करने से बाग की सुन्दरता सत्यम शिवं हो उठेगी। ये नियम देश के उपवन पर भी लागू है। इसे सही दिशा, संरक्षण मिलता रहे, माली सजग हो, यह दायित्व भी हमारा ही है।

– शशांक तिवारी

भूलसुधार

गतांक में 'संघनींव में विसर्जित' स्तम्भ के अन्तर्गत आद्य सर संघचालक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के परिचय में एक तथ्यात्मक त्रुटि थी जिसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं। कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन का वर्ष, 1961 के स्थान पर 1916 पढ़ने की कृपा करें।

– सम्पादक

Ajay Kumar (40K.G. U-17)
SGFI National 2019
Bronze Medal in (Kurash)

Aditya Sharma (-66K.G. U-19)
SGFI National 2019
Bronze Medal in 'Kurash'

❀ अमृत–वचन ❀

यदा न कुरुते भावं सर्वभूतेष्वमंगलम्।
समदृष्टेस्तदा पुंसः सर्वाः सुखमया दिशः॥

जो मनुष्य किसी भी जीव के प्रति अमंगल भावना नहीं रखता, जो मनुष्य सभी की ओर सम्यक् दृष्टि से देखता है। ऐसे मनुष्य को सब ओर सुख ही सुख है।

प्र?नमञ्च क्र. ३

प्र.1. राज्यसभा के कितने सदस्यों का चुनाव हर दो वर्ष बाद होता है ?

प्र.2. रेशम के कीड़े किस वृक्ष की पत्तियों पर पाले जाते हैं ?

प्र.3. भारत के पहले कानून मंत्री कौन थे ?

प्र.4. मोरक्को का यात्री इब्नबतूता किसके शासन काल में भारत आया था ?

प्र.5. राजस्थान का खेतड़ी किसके लिये प्रसिद्ध है ?

प्र.6. बॉलपेन किस वैज्ञानिक सिद्धान्त पर काम करता है ?

प्र.7. भारत का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर कौन सा है ?

प्र.8. भारत में केरल के अर्नाकुलम जिले को शत् प्रतिशत साक्षरता प्राप्त कराने के लिये चलाया गया ऑपरेशन किस नाम से जाना गया ?

प्र.9. मलेरिया का रोग किस प्रोटोजोआ के कारण होता है ?

प्र.10 बाघों के संरक्षण के लिये बाघ परियोजना(प्रोजेक्ट टाइगर) की शुरूआत कब हुई थी ?

प्र.11 दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में पहला भारतीय स्टेशन किस नाम से जाना गया ?

प्र.12 भारत का पहला समाचार पत्र कौन सा था और इसे कब व किसने प्रकाशित किया ?

प्र.13 भारत में पहला डाकघर किसके द्वारा, कब व कहाँ खोला गया ?

प्र.14 ब्रिटिश हाउस ऑफ कामन्स के सदस्य चुने जाने वाले प्रथम भारतीय कौन थे ?

प्र.15 स्वतन्त्र भारत के प्रथम राष्ट्रवादी राजनैतिक दल'भारतीय जनसंघ' की स्थापना किसने की थी ?

प्र.16 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के समय भारत का वायसराय कौन था ?

प्र.17 सिखधर्म के प्रमुख ग्रन्थ 'गुरु ग्रन्थ साहब' का संकलन करने का कार्य कौन से सिखगुरू साहब द्वारा किया गया ?

प्र.18 भारत की कौन सी महिला क्रान्तिकारी को 'नाइटिंगेल ऑफ इण्डिया' के नाम से जाना जाता है ?

प्र.19 प्रसिद्ध साहित्यकार विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित पुस्तक 'आवारा मसीहा' किस महान लेखक की जीवनी है ?

प्र. 20 भारतीय दूरस्थ संवेदन संस्थान (IIRS) कहाँ स्थित है ?

प्रवेश परीक्षा 2019

1. कक्षा 6 तथा 9 की प्रवेश परीक्षा के लिए फार्म वितरण 4 फरवरी से प्रारम्भ होगा तथा प्रवेश परीक्षा 3 मार्च को आयोजित होगी

2. प्रवेश फार्म विद्यालय की वेबसाईट www.pddsvm.org से भी डाउनलोड एवं सबमिट किये जा सकेंगे अर्थात परीक्षा से पूर्व की प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाईन भी सम्भव हो सकेगी।

3. विद्यालय के शुल्क का भुगतान अब विद्यालय के एप से भी किया जा सकता है जो गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध है।

विचार बिन्दु ...

जनवरी माह में हमारे देश के दो महान व्यक्तित्वों का जन्मदिवस है जिन्होंने भारत राष्ट्र के निर्माण में महती भूमिका निभाई। इस बार के स्तम्भ में उनको श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए कुछ विचार प्रस्तुत हैं-

नेताजी सुभाष चन्द्रबोस
(23 जनवरी जन्म1897)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचार

ये हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाएं। हमें अपने बलिदान और परिश्रम से जो आज़ादी मिलेगी, हमारे अन्दर उसकी रक्षा करने की ताकत होनी चाहिए। आज हमारे अन्दर बस एक ही इच्छा होनी चाहिए, मरने की इच्छा, ताकि भारत जी सके! एक शहीद की मौत मरने की इच्छा ताकि स्वतंत्रता का मार्ग शहीदों के खून से प्रशस्त हो सके। मुझे यह नहीं मालूम की स्वतंत्रता के इस युद्ध में हममें से कौन-कौन जीवित बचेंगे ! परन्तु मैं यह जानता हूँ, अंत में विजय हमारी ही होगी ! राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्श सत्य, शिव और सुन्दर से प्रेरित है। भारत में राष्ट्रवाद ने एक ऐसी सृजनात्मक शक्ति का संचार किया है, जो सदियों से लोगों के अन्दर सुप्तावस्था पड़ी थी मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की प्रमुख समस्याओं जैसे गरीबी, अशिक्षा , बीमारी, अकुशल उत्पादन एवं वितरण का समाधान सिर्फ समाजवादी तरीके से ही किया जा सकता है, यदि आपको अस्थाई रूप से झुकना भी पड़े तब वीरों की भांति झुकना क्योंकि स्वार्थ हेतु समझौता-परस्ती बड़ी अपवित्र वस्तु है !

स्वामी विवेकानन्द के विचार

एक अच्छे चरित्र का निर्माण हजारों ठोकरें खाने के बाद ही होता है।

जब आप किसी काम को करने का निश्चय करो तो उसे अवश्य करना चाहिए वरना लोगों का आप से विश्वास उठ जाता है।

उम्मीद को हमेशा बना के रखना चाहिए क्योंकि उम्मीद के भरोसे ही हम सब कुछ वापस ला सकते हैं।

जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं है लेकिन जो भी रिश्ते हैं,उनमें जीवन का होना जरूरी है।

एक समय में एक ही काम करो और उस काम को करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो, बाकी सब कुछ भूल जाओ।

असत्य के हजार रूप हो सकते है लेकिन सत्य एक ही होता है।

दुनिया में अधिकांश लोग इसलिए असफल हो जाते हैं क्योंकि विपरीत परिस्थितियां आने पर उनका साहस टूट जाता है और वह भयभीत हो जाते हैं।

लक्ष्य के लिए खड़े हो तो एक पेड़ की तरह और गिरो तो एक बीज की तरह,ताकि दोबारा उठ कर उस लक्ष्य के लिए फिर से जंग कर सको।

संभव की सीमा जानने का केवल एक ही तरीका है, असंभव से भी आगे निकल जाना।

जिस व्यक्तिने सच्चे आनंद को प्राप्त कर लिया है वह किसी भी सांसारिक वस्तु के ना मिलने से परेशान नहीं होता।

बोधकथा

एक भिक्षुक था। वह अपना भोजन पकाने के लिए जंगल से लकड़ी लेने गया, वहाँ उसने देखा कि एक पेड़ के नीचे एक बिना पैर की लोमड़ी बैठी हुई थी। वह भिक्षुक उसे देखता रहा कि तभी उसने एक शेर की आवाज़ सुनी। वह डर कर एक पेड़ पर चढ़ गया। उसने देखा कि शेर ने एक हिरण का शिकार किया और वह उसे लेकर लोमड़ी की ओर जाने लगा। उसने सोचा कि वह शेर तो उस लोमड़ी को भी खा जाएगा परन्तु उसने देखा कि शेर ने लोमड़ी को नहीं खाया बल्कि उसने लोमड़ी को आधा माँस दे दिया। अगले दिन वह भिक्षुक फिर जंगल गया तो उसने दोबारा देखा कि उस शेर ने लोमड़ी को खाने के लिए थोड़ा मांस दे दिया। ऐसा ही तीसरे दिन भी हुआ तो वह सोचने लगा कि जिस तरह भगवान इस लोमड़ी की मद्द करके इसको कुछ खाने के लिए दे रहे हैं। उसी तरह भगवान मुझे भी कुछ खाने के लिए दे ही देंगे।

वह भिक्षुक अगले ही दिन एक पेड़ के नीचे बैठ गया। एक दिन बीत गया पर उसे किसी ने नहीं देखा। दूसरे दिन भी वहाँ कोई नहीं आया। तीसरे दिन दो आदमी वहाँ से निकले, उन्होंने उसको देखा और वह भी चले गए। उस भिक्षुक की हालत खराब हो रही थी और वह कमजोर हो गया था। पाँचवे दिन भी वहाँ से लोग निकले परन्तु उसे कुछ खाने को नहीं मिला। वह खाना न मिलने की वज़ह से अधमरा सा हो गया था। वह भगवान से बहुत नाराज़ था। अगले दिन वहाँ से एक संत निकले तो उन्होंने देखा कि वह भिक्षुक वहाँ व्याकुल अवस्था में बैठा है। वह उसके पास जाकर बैठे और बोले, ''तुम यहाँ क्यों बैठे हो ?'' भिक्षुक ने संत को सारी बात सुनाई और बोला कि भगवान इतने निर्दयी कैसे हो सकते हैं ? यह बात सुनकर संत भिक्षुक से बोले– ये बात तो सही है, लेकिन तुम इतने नासमझ कैसे हो सकते हो ? सम्भव है कि भगवान ने तुम्हें लोमड़ी बनने के लिए नहीं बल्कि शेर बनने के लिए कहा हो ताकि तुम खुद भी खा सको और दूसरों को भी खिला सको।

(स्वार्थ के लिए तो सभी जीते हैं जीवन उसका ही सार्थक है जो दूसरों के भी काम आए।)

भविष्य के सितारे

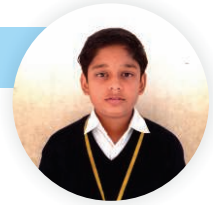

भैया यश शर्मा विद्यालय की सातवीं कक्षा के छात्र हैं तथा इस उम्र में स्केच बनाने में उनकी रुचि उल्लेखनीय है। ये अनेक सेलिब्रेटी एवं साथियों के जीवन्त स्कैच बना चुके हैं तथा विभिन्न कला प्रतियोगिताओं में इन्हें सम्मानित व प्रोत्साहित किया जाता रहा है। स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती पर यहां उनके द्वारा बनाया गया स्वामी विवेकानंद का पेंसिल स्केच प्रस्तुत है। हम भैया यश शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

अपना कोना

मुरादाबाद के कृष्णा बाल विद्या मन्दिर में विद्याभारती द्वारा 29–30 अक्टूबर 2018 को आयोजित क्षेत्रीय बौद्धिक प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत तरुण वर्ग से भैया विश्वास सारस्वत ने स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बौद्धिक प्रतियोगिताओं में स्वरचित काव्य पाठ का यह अन्तिम चरण था। विद्यालय परिवार ने भैया विश्वास सारस्वत की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उनकी प्रशंसा करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

यहाँ भैया द्वारा क्षेत्रीय प्रतियोगिता में प्रस्तुत की गई रचना प्रकाशित है–

बेटा हूँ भारत माँ का, गुणगान इसी के गाता हूँ।
मातृभूमि के चरणों में नित नतमस्तक हो जाता हूँ॥
देश की महानता का करूँ मैं बखान कैसे,
विश्व में प्रसिद्ध सदा ख्याति ये हमारी है।
रामायण भगवतगीता जैसे दिव्यग्रन्थ,
ज्ञान की सदा से यहाँ रही भरमारी है॥
राम घनश्याम और बुद्ध अवतार लिये,
नाम में ही बसी शक्ति चेतना अपारी है।
इसी के लिए है सारा जीवन समर्पित,
प्राणों से भी ज्यादा हमें मातृभूमि प्यारी है॥
तिलक लगा इसकी माटी का गौरवमय हो जाता हूँ॥
मातृ भूमि के चरणों में....
मस्तक पे है नगाधिराज का किरीट और,
देवों की नदी यहाँ पे गंगा विद्यमान है।
स्वर्ग–धरती का कश्मीर है यहाँ पे बसा,
दिव्य दृश्यों की जहाँ पे लगी हुई खान है॥
देश की अनेकता में एकता का रूप दिखे,
राम औ रहीम यहाँ पाते सम–मान हैं।
सोन चिड़िया औ विश्वगुरु कहते हैं इसे,
माताभारती की ये अनोखी पहचान है॥
वीर प्रसूता धरती है यह, सबको मैं बतलाता हूँ॥
मातृभूमि के चरणों में...

स्वरचित काव्यपाठ के विजेता भैया विश्वास सारस्वत प्रधानाचार्य जी एवं आचार्य बन्धुओं से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए

संरक्षक – श्री पद्मनाभ गोस्वामी
प्रधान सम्पादक – श्याम प्रकाश पाण्डेय
कार्यकारी सम्पादक – शशांक तिवारी
परिकल्पना – कौशल किशोर भट्ट
समाचार संयोजन – सत्येन्द्र द्विवेदी, सुजान सिंह व मोहित गुप्ता
छात्र संवाददाता – 1. यश गौतम 2. हरेश चौधरी 3. आदित्य कुमार 4. कार्तिक अग्रवाल

चाणक्य नीति

हमें कभी अतीत के बारे में पश्चाताप नहीं करना चाहिए भविष्य के बारे में चिन्तित भी नहीं होना चाहिए क्योंकि विवेकवान वही हैं **जो सदैव वर्तमान में जीते हैं**

website : www.pddsvm.org
Email- pdd_svidyamandir@yahoo.com

विशेष प्रतिभा

नगर रामलीला सभा (रजि.) द्वारा श्री कृष्ण जन्मभूमि, मथुरा में आयोजित राम लीला में विद्यालय की कक्षा 8D के छात्र हर्षित गौतम ने भरत जी का चरित्र निभा कर उपस्थित जनसमूह को भाव विभोर कर दिया। भैया की सांस्कृतिक गतिविधियों में विशेष रुचि है, विद्यालय परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

One Page Calender

Dates					Jan Oct	May	Aug	Feb Mar Nov	Jun	Sep Dec	Apr Jul
1	8	15	22	29	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun
2	9	16	23	30	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon
3	10	17	24	31	Wed	Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue
4	11	18	25		Thu	Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed
5	12	19	26		Fri	Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu
6	13	20	27		Sat	Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri
7	14	21	28		Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat

हमारा राष्ट्रीय पर्व गणतन्त्र दिवस हम सभी के स्वाभिमान एवं स्वायत्तता का सूचक है इस महान पर्व पर प्रस्तुत है हमारे संविधान की कुछ रोचक जानकारियाँ

सत्यमेव जयते

1. भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के अध्यक्ष डॉक्टर भीमराव अंबेडकर तथा संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे, जो बाद में भारत के राष्ट्रपति बने
2. जिस दिन भारतीय संविधान को लागू किया गया था। वह दिन (26 जनवरी) भारतीय इतिहास में गणतंत्र दिवस के नाम से जाना जाता है।
3. हमारा संविधान आज भी पूरी दुनिया का सबसे बेहतर संविधान माना जाता है।
4. संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को संसद के संविधान कक्ष मे हुई थी वर्तमान समय में उस जगह को संसद के सेंट्रल हॉल के नाम से जाना जाता है।
5. संविधान के निर्माण के लिए लगभग 60 संविधानों का अध्ययन किया गया था।
6. भारतीय संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन का समय लगा था।
7. भारतीय संविधान द्वारा देश के नागरिकों को छह मौलिक अधिकार प्राप्त हैं।
8. संविधान के अनुसार हमारे देश का अपना कोई धर्म नहीं है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।
9. भारत के मूल संविधान में 395 अनुच्छेद 22 भाग और 8 अनुसूचियां शामिल थी।
10. इसमें अब 465 अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियां और 22 भाग हैं।
11. भारत का संविधान पूरे विश्व में सबसे लंबा और बड़ा संविधान है।
12. भारतीय संविधान की रचना हस्तलिखित की गई है इसे श्री श्याम बिहारी रायजादा ने लिखा था।
13. संविधान को सजाने का काम शांति निकेतन के कलाकारों ने किया था।
14. हमारा संविधान 26 नवंबर 1949 को बनकर तैयार हो गया था इसे सरकार ने 26 जनवरी 1950 को लागू किया था।

– सम्पादक

भारतीय उच्च प्रशासनिक सेवाओं में रुचि रखने वाले छात्रों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करने वाली संस्था **'संकल्प'** द्वारा दो दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर हेतु विद्यालय की द्वादश कक्षा में अध्ययनरत भैया दुर्वेश चौधरी और कक्षा दशम के रवि पाठक का चयन किया गया।

विद्यालय के आचार्य सत्येन्द्र कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में दोनों छात्रों ने उक्त शिविर में भाग लिया। इस शिविर के अंतर्गत छात्रों ने भारतीय संसद का भ्रमण कर शीतकालीन सत्र की कार्यवाही का अवलोकन किया और तत्पश्चात नार्थ ब्लाक, साउथ ब्लाक स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय, गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, तथा राष्ट्रपति भवन का भ्रमण कर उच्च प्रशासनिक कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अध्ययन किया।

हर व्यक्ति में प्रतिभा होती है किन्तु उसे निखारने के लिए गहरे अंधरे रास्ते में जाने का साहस कम ही लोगों में होता है

प्रश्नमंच के उत्तर

1. [illegible] 2. [illegible] 3. डा० [illegible] 4. [illegible] [illegible] 5. [illegible] की [illegible] 6. [illegible] 7. के-2 8. [illegible] 9. [illegible] 10. [illegible] 1973 11. [illegible] 12. जेम्स आगस्टस हिक्की का बंगाल गजट (29 जनवरी 1781 को) 13. ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा सन् 1727 में कोलकाता में 14. दादाभाई नौरोजी 15. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी 16. लार्ड डलहौजी 17. सिक्कों के मूल्यों [illegible] 18. [illegible] 19. [illegible] 20. [illegible]

सामान्यज्ञान प्रतियोगिता क्र. 5

प्र.1 गूगल सर्च इंजन की स्थापना किसने की?

क. सेर्गेई ब्रिन तथा हैरी लोपेज़ ख. क्रिस्टोफर लैथम व पेलग्रीन टैरी
ग. जेनोब ग्रामे व एफ. लिचेस्टर घ. ली. डी. फारेस्ट एवं थियोडर मेमन

प्र.2 मंगल ग्रह पर नासा द्वारा भेजे गये नवीनतम मंगलयान को क्या नाम दिया गया है?

क. क्यूरियोसिटी ख. इनसाइट ग. मार्स आर्बिटर घ. विंधाऊ – 2

प्र.3 करतारपुर कॉरीडोर को खोल कर तीर्थ यात्रियों को मार्ग उपलब्ध कराने की योजना किन दो देशों के मध्य है?

क. भारत एवं चीन ख. चीन एवं पाकिस्तान
ग. भारत एवं पाकिस्तान घ. बांग्लादेश एवं भारत

प्र.4 साबरीमाला के अय्यप्पा मंदिर में स्त्रियों के प्रवेश को लेकर आन्दोलन कर रही महिला सामाजिक कार्यकर्ता का नाम क्या है?

क. रागिनी जायसवाल ख. रुखसाना कौसर
ग. तीस्ता सीतलवाड़ घ. रेहाना फातिमा

प्र.5 किसी महीने की 5 तारीख सोमवार के दो दिन बाद आती है तो उस महीने की 19 तारीख से पहले कौन सा दिन होगा?

क. बुधवार ख. गुरुवार ग. मंगलवार घ. सोमवार

प्र.6 अंकित जुबिन का बेटा है। मंजू अनिल की बेटी है। शीला मंजू की माँ है। मोहन मंजू का भाई है। शीला का मोहन से क्या सम्बन्ध है?

क. भाई–बहिन ख. माँ–बेटा ग. पिता–पुत्री घ. पति–पत्नी

प्र.7 विश्व बिलियर्ड चैम्पियनशिप जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी का नाम बताइये?

क. निर्मल मित्तल ख. राघव देशमुख
ग. अरविन्द पूनावाला घ. सौरभ कोठारी

प्र.8 भारत के वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त कौन हैं?

क. आर. माधवन ख. सुनील अरोरा
ग. पी. के. दाहिया घ. राजन पी. अवस्थी

प्र.9 अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस कब मनाया जाता है?

क. 7 नवम्बर ख. 10 दिसम्बर
ग. 3 दिसम्बर घ. 14 दिसम्बर

प्र.10 हाल ही में किस भारतीय निशानेबाज ने ISSF का सर्वोच्च सम्मान 'द ब्लू क्रॉस' प्राप्त किया?

क. गगन नारंग ख. जसपालराणा
ग. मनुभाकर घ. अभिनव बिन्द्रा

प्र.11 नई दिल्ली में आयोजित 38 वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भारत के किस राज्य को सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार दिया गया?

क. मध्य प्रदेश ख. उत्तराखण्ड ग. झारखण्ड घ. महाराष्ट्र

प्र.12 किन दो देशों के मध्य हाल ही में संयुक्त युद्धाभ्यास हुआ जिसे 'हैण्ड इन हैण्ड' नाम दिया गया?

क. भारत एवं चीन ख. भारत एवं म्यांमार
ग. बांग्लादेश एवं भारत घ. अफगानिस्तान व भारत

प्र.13 वर्ष 2018 के साहित्य अकादमी पुरस्कार में हिन्दी भाषा वर्ग में किस साहित्यकार का चयन किया गया?

क. अनीता सेठी ख. चित्रा मुद्गल
ग. इन्दर जीतकेसर घ. राजेश कुमार व्यास

प्र.14 नासा का महत्वाकांक्षी यान ओसीरिस–रेक्स हाल ही में लगभग दो वर्ष की यात्रा के बाद किस क्षुद्र ग्रह (asteroid) पर पहुँचा?

क. एरिस ख. बेन्नू ग. मेक मैक घ. सीरियस

प्र.15 किस राज्य की कंधामल हल्दी को शीघ्र ही विशिष्ट भौगोलिक पहचान के लिए GI टैग प्रदान किया जायेगा?

क. पंजाब ख. बिहार ग. ओडीशा घ. आसाम

प्र.16 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप – 24) का आयोजन कहाँ किया गया?

क. पोलैण्ड ख. हॉलैण्ड ग. स्विटजर लैण्ड घ. इंग्लैण्ड

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्र. 4 के सही उत्तर–

1. कतर 2. अहमदाबाद 3. ईश्वर शर्मा 4. मंजुलभार्गव 5. अशोक चक्र 6. शिवांगी पाठक 7. उपरोक्त तीनों 8. विनेश फोगाट 9. हैदराबाद 10. रंजन गोगोई 11. पोर्टलुईस 12.प्रथम मानव अन्तरिक्ष में 13. अटल बिहारी वाजपेयी 14. कम्बोडिया 15. गगनयान 16. 29 सितम्बर 2016

• सही उत्तर देने वाले छात्र •

1. अंकुल कुमार 8D	2.पुनीत कश्यप 6D	3. तुषार कुमार 7D
4. शिवम चौधरी 7E	5. सूरज कुमार 8D	6. मोहित चौधरी 7C
7. विशाल अग्रवाल 7D	8.कार्तिक अग्रवाल6A	9. मार्तण्ड कृष्ण 6A
10. सचिन कुमार 6D	11.कार्तिकेय शर्मा 6D	12. सचिन कुमार 8D
13. गौरव शर्मा 10D		

वरिष्ठ आचार्य सोहन झा एवं डॉ. आर. बी.एस. भदौरिया के साथ विजेता छात्र